

S .Y.B.A.-HINDI (G-2)
साहित्यिक और व्यवहारिक हिंदी

सेमिस्टर - ३	विषय कोड नं.ए- ३१६०३	कुल व्याख्यान - ६०
--------------	----------------------	--------------------

उद्देश्य:

- हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों में रुचि निर्माण करना ।
- हिंदी की कहानी विधा से और विशिष्ट कहानी लेखिका से छात्रों को परिचित कराना ।
- कवि मैथिलीशरण गुप्तजी की प्रसिद्ध काव्यरचना से परिचय ।
- हिंदी भाषा में प्रयुक्त पारिभाषिक और व्यावहारिक शब्दावली का अध्ययन ।
- हिंदी की मानक वर्तनी का अध्ययन अनुशीलन ।
- हिंदी अंकलेखन से छात्रों को अवगत कराना ।

युनिट १:	गद्य - कहानी विधा - ‘मेरी प्रिय कहानियाँ’ - मन्नू भंडारी	व्याख्यान २०
	<ul style="list-style-type: none"> • हिंदी कहानी विधा का इतिहास • “मेरी प्रिय कहानियाँ” संकलन का अध्ययन - अनुशीलन । १. अकेली २. मजबूरी ३. नई नौकरी ४. बंद दरवाजों का साथ 	

युनिट २	काव्य - विधा - “पंचवटी” - कवि मैथिलीशरण गुप्त	व्याख्यान १०
	<ul style="list-style-type: none"> • मैथिलीशरण गुप्तजी का परिचय । • “पंचवटी ” काव्य का प्रत्यक्ष अध्ययन । 	

युनिट ३	पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम	व्याख्यान १०
	<ul style="list-style-type: none"> • पारिभाषिक शब्द - कानून, बैंक, डाक • व्यावहारिक शब्द - शरीर के अंग, अनाज, पशु - पंछियोंकी बोली (आवाजें) • मानक वर्तनी अध्ययन • वाक्य शुद्धीकरण 	

युनिट ४	व्याख्यान ०८
<ul style="list-style-type: none"> विज्ञापन - महत्त्व उपयोग, प्रकार तथा आदर्श विज्ञापन की आवश्यक बातों से परिचय । 	

अतिथि व्याख्यान, समूहचर्चा, ग्रंथालय गतिविधि, प्रोजेक्ट	व्याख्यान १२
--	---------------------

पाठ्य पुस्तके :-
<ol style="list-style-type: none"> मैथिलीशरण गुप्त – “पंचवटी” – साहित्य -सदन झाँसी । मन्नू भंडारी – “मेरी प्रिय कहानियाँ” – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :-
<ol style="list-style-type: none"> डॉ. उमाकांत (१९६१) “गुप्तजी की काव्यसाधना” – द्वितीय संस्करण – नॅशनल पब्लिशर्स, दिल्ली । संपा – डॉ. अर्जुन शतपथी मधुसूदन साहा (१९८७) – “राष्ट्रीय चेतना के कवि -मैथिलीशरण गुप्त” – प्रथम संस्करण, पराग प्रकाशन - दिल्ली । डॉ. नगेंद्र – (१९८७) “मैथिली शरण गुप्त” – प्रथम संस्करण, प्रभात प्रकाशन दिल्ली । मंजू आगरवाल – (१९७९) “मैथिलीशरण गुप्त की काव्यकला” प्रथम संस्करण, अतुल प्रकाशन, कानपुर । डॉ. राम कुलकर्णी – (१९८७) “मैथिलीशरण गुप्त के पात्रों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन” – प्रथम संस्करण सरस्वती प्रकाशन, कानपुर । डॉ. प्रभाकर माववे (१९८७) “हिंदी के साहित्य निर्माता मैथिली शरण गुप्त” प्रथम संस्करण, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली । डॉ. उपेंद्रनाथ अशक (१९६७) “हिंदी कहानी: एक अंतरंग परिचय” प्रथम संस्करण, नीलाभ प्रकाशन, इलाहबाद । सिंह नामवर (१९६६) “कहानी – नई कहानी”, प्रथम संस्करण, लोकभारती प्रकाशन प्रकाशन इलाहबाद । प्रसाद वासुदेवनंदन (१९७५) “आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना”, बारहवाँ संस्करण, भारतीभवन, पटना । संपा. त्रिपाठी रमेशचंद्र, अग्रवाल पवन (२००२) “मीडिया लेखन द्वितीय” संस्करण, भारत प्रकाशन, लखनौ । प्राचार्य सु.मो.शहा (२००८) हिंदी वर्तनी, प्रथम संस्करण महाराष्ट्र-राष्ट्रभाषा सभा, पुणे. उमेश माथुर (१९६९) “आधुनिक युग की हिंदी लेखिकाएँ” – दिग्दर्शन वरुण जैन, ऋषभ वरुण जैन एण्ड सन्स, दरियागंज, दिल्ली ।

S .Y.B.A.-HINDI (G-2)
साहित्यिक और व्यवहारिक हिंदी

सेमिस्टर - ४	विषय कोड नं.ए - ४१६०३	कुल व्याख्यान - ६०
--------------	-----------------------	--------------------

उद्देश्य:

- हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों में रुचि निर्माण करना ।
- हिंदी कहानी विधा से और विशिष्ट कहानी लेखिका से छात्रों को परिचित करना ।
- कवि मैथिलीशरण गुप्तजी की प्रसिद्ध काव्यरचना से परिचय ।
- नौकरी के लिए आवेदनपत्र और परिचय पत्र का अध्ययन ।
- हिंदी की वर्तनी से परिचय और शब्दयुग का अध्ययन ।
- हिंदी विज्ञापन के नमूने का एवं प्रतिलिपि का अध्ययन – अनुशीलन ।

युनिट १:	गद्य – ‘मेरी प्रिय कहानियाँ’ - मन्नू भंडारी	व्याख्यान २०
	<ul style="list-style-type: none"> • शेष कहानियों का अध्ययन- <ol style="list-style-type: none"> १.एखाने आकाश नाइं २.यही सच है ३.सजा ४.आते जाते सायावर ५.शायद 	

युनिट २	काव्य - ‘‘पंचवटी’’ –मैथिलीशरण गुप्त	व्याख्यान १५
	<ul style="list-style-type: none"> • शेष काव्य का अध्ययन – अनुशीलन । 	

युनिट ३	पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम	व्याख्यान ०५
	<ul style="list-style-type: none"> • नौकरी के लिए आवेदनपत्र और परिचयपत्र का अध्ययन • विज्ञापन प्रतिलिपि अभ्यास 	

युनिट ४		व्याख्यान ०८
	<ul style="list-style-type: none"> • शब्दयुग- अध्ययन और अभ्यास • हिंदी अंकलेखन परिचय और अभ्यास 	

अतिथि व्याख्यान, परिचर्चा, प्रस्तुतिकरण	व्याख्यान १२
---	--------------

पाठ्य पुस्तके :-
<p>३. मैथिलीशरण गुप्त – “पंचवटी” – साहित्य -सदन झाँसी । ४. मन्नू भंडारी – “मेरी प्रिय कहानियाँ” – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।</p>

संदर्भ ग्रंथ :-
<p>१. अनिल गोयल (१९८०) “मन्नू भंडारी की कहानियों का संसार”. प्रथम संस्करण – समकालीन प्रकाशन, नई दिल्ली । २. प्रा.किशोर गिरडकर (१९८५) – “मन्नू भंडारी का कथा साहित्य” प्रथम संस्करण, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर । ३. डॉ.सहदेव शर्मा – (१९७९) मैथिलीशरण गुप्त का खडीबोली के उत्कर्ष में योगदान” प्रथम संस्करण, आदर्श साहित्य प्रकाशन दिल्ली । ४. सिन्हा रघुवीर (१९७७) “आधुनिक हिंदी कहानी” – समाजशास्त्रीय दृष्टी प्रथम संस्करण, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली । ५. डॉ.मदान इंद्रनाथ – (१९७८) “हिंदी कहानी – एक नई दृष्टी” प्रथम संस्करण संभावना प्रकाशन, हापुड । ६. उपाध्याय देवराज (१९६३) आधुनिक हिंदी कथासाहित्य और मनोविज्ञान” द्वितीय संस्करण, साहित्यभवन प्रा.लि.इलाहाबाद । ७. सिंह संतबरुश (१९८९) “नई कहानी – नए प्रश्न” प्रथम संस्करण, साहित्यलोक प्रकाशन, कानपुर । ८. सिंहल ओमप्रकाश, तिलकराज बडेहारा (१९८५) “व्यावहारिक हिंदी भाग - १ और २” चतुर्थ संस्करण, पितांबर पब्लिशिंग कं.दिल्ली । ९. प्रा.उमा केवलराम (१९९७) “मन्नू भंडारी की कहानियों में आधुनिकता बोध” प्रथम संस्करण, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर । १०. डॉ.इशरत जहाँ (२००५) “मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में स्त्री” प्रथम संस्करण, संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी । ११. अनिता राजुरकर (१९८७) “कथाकार मन्नू भंडारी” प्रथम संस्करण, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली । १२. संपा-प्राचार्य सु.मो.शह (२०११) “राजभाषा पारिभाषिक शब्दावली” प्रथम संस्करण, महाराष्ट्र-राष्ट्रभाषा सभा पुणे.</p>